वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम (पुराना))

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

2024–2025

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

सत्रीय कार्य – 2024–2025

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2024 और जनवरी 2025)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2024** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2025** तक है।

2. जो **जनवरी 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2025** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 अक्टूबर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**संगठन सिद्धांत और व्यवहार**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01/टी. एम. ए./ 2024-2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. व्यवहार में परिवर्तन के लिए युक्तियों का वर्णन कीजिए। क्या आप सोचते है कि ये युक्तियां किसी संगठन के लिए उपयोगी होती है ? इस संबंध में विवेचन कीजिए। **(10)**

2. संगठन के नव-क्लासिकी सिद्धांत के योगदान क्या है? क्या आप इस मत से सहमत हैं कि नव-क्लासिकी सिद्धांत क्लासिकी सिद्धांत का संशोधित रूप हैं सोदाहरण विवेचन कीजिए। **(10)**

3. मास्लो और हर्जबर्ग के प्रेरणा सिद्धांतों के बीच समानताएं और अंतर उजागर करें। **(10)**

4. क्या आप मानते हैं कि संगठन में पद से जुड़ी शक्ति सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है? ऐसा क्यों? संगठन में विभिन्न प्रकार की औपचारिक शक्ति की व्याख्या कीजिए। **(10)**

5. **निम्नलिखित व्यक्तव्यों की व्याख्या अति संक्षेप में कीजिए:** **(4X5)**

(क) संवेग व्यवहार के अनिवार्य निर्धारक होते हैं। संगठनात्मक व्यवहार को समझने में इनका विभिनन प्रकार से प्रयोग किया जाता है"।

(ख) "जॉब डिजाइन वस्तुतः मानव संसाधन प्रबंध की एक युक्ति है"।

(ग) "दबाव शरीर क्रियात्मक तथा मनोवैज्ञानिक दोनों ही होता है"।

(घ) "नेतृत्व का लोकतंत्रीय ढंग नेतृत्व का सर्वोत्तम ढंग है"।

6. **निम्नलखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए:** **(4X5)**

(क) क्लासिकी सिद्धांत और नव-क्लासिकी सिद्धांत

(ख) औपचारिक संप्रेषण और अनौपचारिक संप्रेषण

(ग) नेतृत्व के विशेषक सिद्धांत और व्यवहारात्मक सिद्धांत

(घ) विकासवादी परिवर्तन और क्रांतिकारी परिवर्तन

7. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:** **(4X5)**

(क) प्रबलन की भूमिका

(ख) संगठन ढांचे के आयाम

(ग) सामाजिक लोफिंग

(घ) गुणारोपण के सिद्धांत

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अनुसंधान विधियाँ एवं सांख्यिकीय विश्लेषण**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03/टी. एम. ए./ 2024-2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क) विशेषताओं की स्वतंत्रता के परीक्षण के लिए काई-स्क्वायर(Chi-square) परीक्षण, और **(20)**
   (ख) उपयुक्तता के परीक्षण के लिए काई-स्क्वायर परीक्षण में अपेक्षित आवृत्तियों से आपका क्या अभिप्राय है? उपरोक्त प्रत्येक स्थिति में अपेक्षित मानों की गणना करने में आपके द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया को संक्षेप में समझाइए।

2. क) परिकल्पना से आपका क्या तात्पर्य है? परिकल्पना कितने प्रकार के होते हैं? **(10+10)**
   ख) स्वतंत्र प्रतिदर्श के लिए टी-परीक्षण और युग्मित टी-परीक्षण के बीच आप कैसे अंतर करेंगे?

3. **निम्नलिखित पर संक्षेप टिप्पणी कीजिए:** **(4 X 5)**
   क) "डेटा सेट का प्रतिनिधि मान एक संख्या है जो उस डेटा के केंद्रीय मूल्य को दर्शाता है"।
   ख) "प्राथमिक डेटा का तात्पर्य शोधकर्ता द्वारा स्वयं एकत्र किए गए प्रत्यक्ष डेटा से है"।
   ग) "सांख्यिकी का उपयोग खतरों और भ्रांतियों का एक समूह लेकर आता है"।
   घ) "माध्यिका का सबसे बड़ा लाभ यह है कि चरम अवलोकन सांख्यिकीय डेटा इसकी आरेखीय प्रस्तुति की उपयोगिता को प्रभावित नहीं करते हैं"|

4. **निम्नलिखित व्यक्तव्यो की व्याख्या संक्षेप में कीजिये** : **(4 X 5))**
   क) एक अच्छी सांख्यिकीय तालिका की आवश्यकताएँ
   ख) शोध कार्य में सांख्यिकीय डेटा की दृश्य प्रस्तुति
   ग) समय श्रृंखला
   घ) द्विपद संभाव्यता वितरण

5. **निम्नलिखित में अंतर कीजिए :** **(4 X 5)**
   (क) आगमनात्मक और निगमनात्मक तर्क
   (ख) यादृच्छिक प्रतिचयन और गैर-यादृच्छिक प्रतिचयन
   (ग) विचरण और विषमता
   (घ) कार्ल पियर्सन का सहसंबंध और स्पीयरमैन का रैंक सहसंबंध

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यवसाय परिवेश**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -04/टी. एम. ए./ 2024-2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भारतीय स्वतंत्रता की संध्या पर विश्व में व्याप्त विकास के दो मॉडल कौन से थे? मिश्रित अर्थव्यवस्था रूपरेखा की प्रधान विशेषताओं की विवेचना कीजिए जो भारत में विकास के प्रथम चार दशकों के दौरान विकसित हुई। **(20)**

2. 1990 के दौरान भारत में 'मौद्रिक नीति रूपरेखा महत्वपूर्ण रूप से बदल गई' इस वक्तव्य की व्याख्या कीजिए तथा नब्बे के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुसरणीय मौद्रिक नीति का विश्लेषण कीजिए। **(20)**

3. विकासशील देशों के लिए नीति के रूप में वैश्वीकरण के प्रभावो का विश्लेषण कीजिए। विकासशील देशों के दृष्टिकोण से इस प्रकार की नीति के सक्षम लाभ और प्रतिकूल प्रभाव क्या हैं? **(20)**

4. केन्द्रीय तथा राज्य स्तरो पर भारत में प्रशासनिक ढांचे की संक्षिप्त रूप में व्याख्या कीजिए तथा औद्योगिक लाइसेंसिंग को हटाने के बाद उद्योग मंत्रालय की परिवर्तित भूमिका का उल्लेख कीजिए। **(20)**

5. स्टॉक एक्सचेंज पर व्यापार के परंपरागत तरीको की व्याख्या कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए की ऑनलाइन व्यापार ने प्रतिभूतियों के क्रय तथा विक्रय की प्रणाली तथा लेनदेनो के निबटारे को किस प्रकार सुधार दिया है। **(20)**

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**प्रबंधकीय निर्णयों के लिए लेखांकन**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05/टी. एम. ए./ 2024-2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक :100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) लेखांकन पद्धतियों का मानकीकरण क्यों आवश्यक है? भारत में लेखांकन के मानकीकरण में क्या प्रगति हुई है ? व्याख्या कीजिए। **(10+ 10)**

(ख) बैलेंस शीट की तिथि के बाद उत्पन्न होने वाली आकस्मिकताएं एवं घटनाओं की व्याख्या कीजिए।

2. (क) "बजट एक माध्यम है तथा बजटरी नियंत्रण अंतिम परिणाम है"। इस कथन की व्याख्या कीजिए। **(10+ 10)**

(ख) "निष्पादन बजटिंग प्रणाली में आवधिक निष्पादन रिपोर्टों की आवश्यकता होती है"। व्याख्या कीजिए।

3. (क) "मानक लागत लेखांकन में विचरण की गणना अपने आप में एक लक्ष्य नहीं है बल्कि लक्ष्य का एक साधन है"। टिप्पणी कीजिए। **(10+ 10)**

(ख) "स्थिर लागतें वास्तव में परिवर्तनीय होती हैं। जितना अधिक उत्पादन आप करते हैं, वे उतना ही कम हो जाती हैं"। इस कथन की समालोचना कीजिए।

4. (क) "लेखांकन रिपोर्ट प्रबंधन के लिए एक आवश्यक वस्तु है न कि सुविधा की वस्तु"। विवेचना कीजिए । **(10+ 10)**

(ख) "कोष प्रवाह विवरण खातों की ऊपरी दिखावट से भी प्रभावित है और इसलिए यह परिवर्तन के वास्तविक दृश्य को प्रस्तुत करने में असफल है । उदाहरणार्थ, कुछ दिखावटी बिक्री को खाते में लिखकर परिचालन से प्राप्त कोष को बढाया जा सकता है"। क्या आप इस आलोचना से सहमत हैं? अपने विचार लिखिए ।

5. (क) व्याख्या कीजिए की उत्तरदायित्व केंद्र के प्रकार का चुनाव (लागत, आय, लाभ या निवेश) किस प्रकार बजटिंग तथा निष्पादन रिपोर्टिंग को प्रभावित करता है । **(10+ 10)**

(ख) "विक्रय एवं उत्पादन में 10 प्रतिशत की वृद्धि से लाभ में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि होती है"। व्याख्या कीजिए ।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**विपणन प्रबंध**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -06/टी. एम. ए./ 2024-2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) एक ऐसी कंपनी की प्रोफ़ाइल का वर्णन करें जिसने विपणन अवधारणा को अपनाया है। **(10+ 10)**

(ख) विभिन्न प्रकार के मध्यस्थों को वर्गीकृत करें और उपभोक्ता वस्तुओं के बाजार के संदर्भ में प्रत्येक प्रकार के उदाहरण प्रदान करें।

2. बाजार खण्डीकरण की अवधारणा को स्पष्ट करें और यह व्यवसायों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है। तीन अलग-अलग बाज़ार विभाजन रणनीतियों को पहचानें और उनका वर्णन करें और एक ऐसी कंपनी का उदाहरण प्रदान करें जो प्रत्येक रणनीति का प्रभावी ढंग से उपयोग करती है। **(20)**

3. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त व्याख्या कीजिए :** **(4x5)**

(क) मूल्य निर्धारण

(ख) संबंध विपणन

(ग) फ्रायड का "व्यक्तित्व का मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत"

(घ) प्रचार रणनीतियाँ

4. **निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए :** **(4x5)**

(क) उत्पादन अवधारणा और उत्पाद अवधारणा।

(ख) बाजार मंथन कीमत निर्धारण और बाज़ार -पैठ कीमत निर्धारण

(ग) विपणन अनुसंधान और विपणन सूचना प्रणाली।

(घ) ब्रांड निष्ठा और ब्रांड विस्तार।

5. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए :** **(4x5)**

(क) "पर्यावरण इस तथ्य के कारण महत्वपूर्ण हो जाता है कि यह बदल रहा है और इसमें अनिश्चितता है"।

(ख) किसी उत्पाद को खरीदने का उपभोक्ता का निर्णय कई कारकों से प्रभावित होता है।

(ग) "भारत में ग्रामीण बाज़ार विपणक के लिए बड़े अवसर और चुनौतियाँ पेश करते हैं"।

(घ) "कई मामलों में सेवाओं और उत्पादों के बीच अनेक परस्पर संबंध भी होते हैं।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -07**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**वित्तीय प्रबंध**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -07/टी. एम. ए./ 2024-2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. वित्तीय प्रबन्धक के लक्ष्यों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। एवं आधारभूत वित्तीय प्रबंधन के कार्यों को समझाइये। जोखिम एवं प्रत्याय समंजन का उदभव इन कार्यों से कैसे हुआ ? समझाइये। **(20)**

2. (क) "प्रतिधारित आय की कोई लागत नहीं होती" स्पष्ट कीजिये। **(10+10)**

(ख) स्वामित्व या साझेदारी में पूंजी की लागत कैसे ज्ञात करोगे? क्या इसे ज्ञात करने का कोई तरीके आप जानते हैं? व्याख्या कीजिये।

3. (क) उन विभिन्न प्रकार के आर्डरों का वर्णन कीजिए जो कोई निवेशक प्रतिभूति खरीदने अथवा बेचने के लिए दे सकता है? **(10+10)**

(ख) अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एक फर्म को किन विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? समझाइये।

4. (क) परिचालन लीवरेज क्या है? यह वित्तीय लीवरेज से कैसे भिन्न है। उदाहरण सहित समझाइये। **(10+10)**

(ख) पूंजी संरचना निर्णय में ब्याज तथा कर पूर्व आय तथा प्रति शेयर आय में सबंध बताइये।

5. (क) कार्यशील पूंजी नीति की विभिन्न दृष्टिकोणों / विधियों (approaches) 'की व्याख्या कीजिए। इन के क्या परिणाम हैं ? **(10+10)**

(ख) स्टॉक प्रबंधन में आर्थिक आदेश मात्रा विधि की व्याख्या कीजिये तथा इसके निर्धारण की प्रक्रिया को समझाइये।